COMPOSITE REGIONAL CENTRE FOR SKILL DEVELOPMENT, REHABILITATION & EMPOWERMENT OF PERSONS WITH DISABILITIES [CRC – KOZHIKODE]
(Under the administrative control of NIEPMD, Chennai)
Department of Empowerment of Persons with Disabilities (Divyangjan)
Ministry of Social Justice & Empowerment, Government of India
IMHANS Campus, Medical College PO Kozhikode Kerala 673008

Department of Speech & Hearing CRC Kozhikode

कान की मशीन क्या काम करती है?

कान की मशीन बाकि विद्युतीय उपकरणों की तरह ही होती है इस में आवाज को एकत्रित करके माइक्रोफोन से एम्पलीफायर तक पहुचाया जाता है एम्पलीफायर आवाज को बड़ा करता है यह बड़ी आवाज रिसीवर से कान तक पहुचाया जाता है जैसे की बधिरता के प्रमाण पर आधारित आवाज को कितना बड़ा करे जिससे श्रवण विकलांग सबसे अच्छी तरह सुन पाए इसके लिए श्रवण विशेषज्ञ बार बार जाच करके पता लगाते है आज कल आधुनिक कान की मशीनों में डिजिटल एम्प्लीफिकेशन आने से आवाज को स्पष्ट प्रकार से कान तक पहुचने में सफलता प्राप्त की जाती है श्रवण यंत्र के साथ सुरुवात में अनुभव होना जरुरी है किस आवाज को ध्यान दे कर सुने और किस पर ध्यान नहीं देना है यह क्रिया श्रवण बाधित बच्चे को ऑडिटरी ट्रेनिंग से शिखना पड़ता है सिर्फ कान की मशीन लगा लेने से ही बच्चा अन्य बच्चो की तरह नहीं सुन और बोल पता है इसके लिए ऑडिटरी ट्रेनिंग बहुत बहुत जरुरी होती है

अगर आपका बच्चा में श्रवण विकलांग के कोई भी लक्षण दिखाई दे तो आप तुरंत श्रावण विशेषज्ञ से मिल कर उचित जाच से मन के संकोच को दूर करे.

द्वारा तैयार:

श्री शिवराज लालदास भीमटे

सहेयक प्रोफेसर

भाषण और श्रवण

सीआरसी कोझिकोड